

गर्भाशय, सर्विक्स या गर्भाशय ग्रीवा एवं योनि का प्रोलैप्स (शरीर निकालना) कारण एवं निवारण

डॉ. संजय कुमार मिश्र,^१ डॉ. विकास सचान^२ एवं डॉ. सर्वजीत यादव^३

१. पशु चिकित्सा अधिकारी पशुपालन विभाग मथुरा उत्तर प्रदेश
२. सहायक आचार्य मादा पशु रोग एवं प्रसूति विज्ञान विभाग दुआसू मथुरा उत्तर प्रदेश
३. निदेशक प्रसार दुवासू मथुरा उत्तर प्रदेश

गर्भाशय, सर्विक्स एवं योनि का प्रोलैप्स (शरीर निकालना) की समस्या प्रसव पश्चात अधिक होती है परन्तु सर्विक्स एवं योनि का प्रोलैप्स (शरीर निकालना) ग्याभिन के आखिरी महीनों में तथा योनि एवं सर्विक्स का प्रोलैप्स कुछ प्रजातियों जैसे की गिर एवं राठी में मद काल के समय भी आ जाता है

कारण

- **प्रजाति:** जैसे कि कुछ प्रजातियों में प्रोलैप्स (शरीर निकालना) की समस्या ज्यादा होती है-राठी, गिर एवं भैस
- **पोषण:** कमजोर पशुओं में प्रोलैप्स अधिक होता है।
- **उम्र:** अधिक उम्र के पशुओं में प्रोलैप्स अधिक होता है।
- **कैल्शियम की कमी** से भी प्रोलैप्स होने का खतरा अधिक होता है।
- **कठिन प्रसव:** यदि प्रसव के समय कठिनाई ज्यादा हो या बच्चा खींच कर निकालना पड़े तो प्रोलैप्स (शरीर निकालना) होने की संभावना बढ़ जाती है।
- **जर या आँव रुकने** पर या उसे खींच कर निकालने पर भी यह समस्या हो सकती है।
- **योनि मार्ग या गर्भाशय में संक्रमण** होने पर भी प्रोलैप्स होने की संभावना बढ़ जाती है।
- जिन पशुओं में बार बार यह समस्या होती है उनकी संतानों में भी यह समस्या होने की संभावना बढ़ जाती है।
- कब्ज होने पर भी जोर लगाने की वजह से प्रोलैप्स होने की संभावना बढ़ जाती है।

पेशाब की थैली में भी संक्रमण होने पर पेशाब करने के दौरान जोर लगाने की वजह से प्रोलैप्स होने की संभावना बढ़ जाती है।

लक्षण

योनि मार्ग से योनि भाग या सर्विक्स तथा बच्चेदानी का बाहर दिखना बाहर गांठ के ऊपर गर्भाशय की गांठें भी दिखाई देती है जो कि शरीर निकालना या प्रोलैप्स की प्रमुख पहचान है।

बचाव

- ज्यादा उम्र के पशुओं को नहीं रखा जाना चाहिए।
- पशुओं को उचित मात्रा में पोषण खासकर कैल्शियम दिया जाना चाहिए।
- जिन पशुओं में यह समस्या अकारण बार बार होती है उन्हें तथा उनकी संतान को भी नहीं रखा जाना चाहिए।
- प्रसव के समय या उसके पश्चात किसी भी प्रकार की कठिनाई होने पर पशु चिकित्सक से ही इलाज कराया जाना चाहिए।
- बच्चेदानी के किसी भी भाग में संक्रमण होने पर चिकित्सक से उचित इलाज कराया जाना आवश्यक है।
- मूत्र एवं गोबर के किसी भी भाग में संक्रमण या अन्य प्रकार की परेशानी होने पर भी पशुचिकित्सक से संपर्क किया जाना चाहिए।
- प्रोलैप्स या शरीर के बाहर निकालना होने पर पशुचिकित्सक द्वारा उचित तरीके से बाहर आए भाग को अंदर करके ट्रश लगाकर या जरूरत पड़ने पर टांके लगाकर दोबारा बाहर आने से रोका जा सकता है।
- पशु के बैठने के स्थान को थोड़ा ढलान नुमा बनाया जा सकता है जिससे कि पिछला भाग थोड़ा ऊपर रहने से भी इस समस्या को कम किया जा सकता है।
- मादा को पर्याप्त मात्रा में हरा तथा सुपाच्य चारा तथा उपयुक्त मात्रा में ताजा साफ पानी खासकर गर्मी के मौसम में हर समय उपलब्ध रहना चाहिए ताकि कब्ज की समस्या ना हो।
- आखिरी के कुछ महीनों में चारे की मात्रा कम करके दाना बढ़ाने से पेट ज्यादा नहीं भरता जिससे बच्चेदानी में दबाव कम रहने से भी प्रोलैप्स होने की संभावना कम रहती है।